जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 280 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 10 अगस्त, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

नीतीश कुमार ने मोदी-शाह द्वय को मात दी?

नीतीश 21 महीने पुराना गठबंधन तोड़कर राज्यपाल के पास गये, पद से इस्तीफा लेकर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजनैतिक कौशल के मामले में मोदी-अमित शाह की जोड़ी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने भाजपा के साथ अपनी मैत्री को तोड़ते हुये गठबंधन सरकार का अस्तित्व समाप्त कर दिया है। उन्होंने अपने राजनैतिक प्रतिद्वंदियों- आर.जे.डी. और कांग्रेस से मदद लेने के लिये अपना हाथ बढ़ाकर इस कहावत को सही सिद्ध कर दिया है कि ''राजनीति में कोई स्थाई शत्रु (या मित्र) नहीं हुआ करता।''

राज्य की 21 माह पुरानी जे.डी.(यू.) - भाजपा गठबंधन सरकार के भविष्य को लेकर एक महीने से ज्यादा समय से चल रही अटकलों को विराम देते हुये, जे.डी. (यू.) - भाजपा गठबंधन को तोड़ने के तुरन्त बाद, नीतीश ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद, वे राज्य विधानसभा में सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता तेजस्वी यादव के साथ बिहार के राज्यपाल फागू चौहान के आवास पर पहुँचे तथा उन्हें नई सरकार के गठन की पूर्व सूचना दी।

नीतीश कुमार ने भाजपा को दूसरी बार पटखनी देने के अपने इस निर्णय से पहले, अपने विधायकों के साथ मीटिंग की। वे शाम को राज्यपाल से मिलने गये तथा अपना इस्तीफा उन्हें सौंप दिया।

राज्यपाल से भेंट करने के बाद, उन्होंने मीडिया को बताया, ''मैंने इस्तीफा दे दिया है तथा इसकी जानकारी अपने विधायकों को दे दी है।''

कुछ ही देर बाद, वे विपक्षी नेता तेजस्वी यादव तथा उनके भाई तेज प्रताप, जो लालू यादव के बेटे हैं, के साथ दिखाई दिया और फिर वे राज्यपाल के पास दोबारा गये तथा उनसे मुख्यमंत्री के रूप में दूसरी पारी शुरू करने की अनुमति देने का आग्रह किया। कांग्रेस जैसी अन्य पार्टियों के भी नई गठबंधन सरकार में शामिल होने की आशा है।

बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता इस बड़ी घटना तथा इसके परिणामों पर विचार करने के लिये पटना पहुँच रहे हैं। इनमें सुशील कुमार मोदी तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद भी शामिल हैं। बिहार के भाजपा अध्यक्ष संजय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्राप्त जानकारी के अनुसार नीतीश कुमार ने राज्यपाल के सम्मुख नए मु.मंत्री के रूप में नयी सरकार बनाने का दावा भी पेश किया।
- राज्यपाल से मिलने, लालू पुत्र तेजस्वी यादव, तेज प्रताप भी नीतीश कुमार के साथ गये।
- चर्चा यह है कि, नीतीश की नयी सरकार में दोनों लालू पुत्र मंत्री होंगे तथा तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री का पद भी दिया जा सकता है। आर.जे.डी. को विधानसभाध्यक्ष का पद भी मिल सकता है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि, कांग्रेस भी नयी सरकार में शामिल हो सकती है।
- नीतीश कुमार ने राज्यपाल के निवास पर जाने से पूर्व अपनी पार्टी के विधायकों को संबोधित किया व गठबंधन तोड़ने के कारण बताये।
- नीतीश को पूरा विश्वास है कि, अमित शाह उनकी पार्टी को तोड़ने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। बिहार में इंटैलिजैंस एजेंसियों ने भी उनके सम्मुख प्रमाण रखे कि, बिहार में बहुत धन आ रहा है दिल्ली से, उनकी पार्टी तोड़ने के लिये।
- भाजपा के कुछ महारथी, जैसे सुशील मोदी व रविशंकर प्रसाद को पटना भेजा गया है, डैमेज कंट्रोल के लिये।

काले कपड़े

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। कांग्रेस के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार पंकज शर्मा ने राहुल गांधी व कांग्रेस के अन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अमित शाह ने राहुल गांधी द्वारा काले कपड़े पहनने को भारतीय आस्था और भगवान राम का अपमान बताया तो कांग्रेस ने गंगा स्नान में मोदी द्वारा काले कपड़े पहनने पर कटाक्ष किए।

भारत जोड़ो यात्रा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। कांग्रेस ने मंगलवार को अपनी ''भारत जोड़ो यात्रा'' की घोषणा की। आगामी 7 सितम्बर से कन्या कुमारी से कश्मीर तक होने वाली यह पदयात्रा महात्मा गांधी के ''भारत छोड़ो'' आंदोलन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस की ''भारत जोड़ो'' पद यात्रा 7 सितम्बर से शुरू होगी, जिसमें राहुल गांधी भी शामिल होंगे।

राजनीतिक यू-टर्न के बादशाह!

पर यह भी सच है कि, इस यू-टर्न से नीतीश कुमार ने बिहार में भाजपा के प्रभाव व प्रसार बढ़ाने के प्रयास पर अंकुश लगा दिया है, चाहे यह अंकुश अस्थायी ही साबित हो

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। बिहार के सीनियर नेता नीतीश कुमार ने एन.डी.ए. के मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देकर और आर.जे.डी. सहित ''महागठबंधन'' पार्टियों के समर्थन से एक वैकल्पिक सरकार के गठन का राज्यपाल फागू चौहान के समक्ष दावा पेश कर स्वयं की छवि राजनीति के ''यू-टर्न किंग'' के रूप में और सशक्त की है।

कुमार के भाजपा के साथ संबंध जहां तनावपूर्ण थे वही जे.डी.यू. और भाजपा, दोनों ही एक गतिरोधपूर्ण स्थिति में बंधे हुए थे जो कि एक असहज और मजबूरी में की गई व्यवस्था थी। यह संवाददाता अपने निर्णय में गलती का बैठा जब उसने कल के राष्ट्रदूत में यह खबर दी कि कुमार के इस स्थिति में भाजपा के साथ पूर्ण रूप से संबंध विच्छेद करने की संभावना नहीं है। एक बार फिर महागठबंधन राजनीति की राह पकड़ने के साथ ही कुमार ने भाजपा की बिहार में विस्तार वादी योजनाओं में बाधाएं खड़ी कर दी हैं, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने अपनी प्रतिष्ठानुरूप कार्य नहीं किया है। कुमार के जहां एक बार फिर से मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की संभावना है वहीं अब वे आर.जे.डी. नेता लालू प्रसाद के दोनों पुत्रों तेजस्वी और तेज प्रताप की दया पर निर्भर होंगे और उनकी मि.क्लीन की छवि के जबर्दस्त रूप से खराब होने की उम्मीद हैं।

जमीनी सूचनाएं बता रही हैं कि राज्य के नये मन्त्रिमण्डल के मंत्री पद तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं, जैसे विधानसभा अध्यक्ष का चयन आदि सब कुछ तय और पक्का हो चुका है। कुछ समय पूर्व असदुद्दीन ओवैसी की ए.आई.एम.आई.एम. के पाँच में से चार विधायक आर.जे.डी. में शामिल हो गये थे तथा इस प्रकार, आर.जे.डी. राज्य विधानसभा की सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। राज्य के भाजपा नेताओं को तब ही सतर्क हो जाना चाहिये था कि विपक्षी खेमे में कोई खिचड़ी जरूर पक रही है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। पटना में आयोजित विशाल पार्टी सम्मेलन के 10 दिन के अन्दर ही एन.डी.ए. सरकार का गिर जाना, साफतौर पर भगवा पार्टी के लिये परेशानी का सबब, बल्कि लज्जानक माना जा रहा हैं।

जाहिरा तौर पर, कुमार ने भाजपा के साथ अपने रिश्ते तोड़ने का निर्णय ऐसी आशंकाओं के फलस्वरूप लिया कि भगवा पार्टी जे.डी.यू. को तोड़ने की कोशिश कर रही है। लेकिन, अब नीतीश भले ही आर.जे.डी. से साथ जुड़ गये हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दूसरी ओर, नयी सरकार में नीतीश कुमार की भी स्थिति, तनावपूर्ण रहेगी, क्योंकि वे सदा लालू-पुत्र तेजस्वी व तेज प्रताप की ''मेहरबानी'' पर जीवित रहेंगे, जिससे उनकी ''क्लीन'' छवि को धक्का लगने की भारी संभावना है।
- एक और प्रश्न यह भी उठ रहा है कि, मु.मंत्री पद तो जरूर मिल जायेगा नीतीश कुमार को, पर जद (यू) का भविष्य क्या रहेगा? क्या भाजपा व आर.जे.डी. ही दो प्रमुख पार्टियां रहेंगी, अगले चुनाव में?

राहुल तिजारा में?

जयुपर, 9 अगस्त (कासं)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार को एक संक्षिप्त दौरे पर अलवर के तिजारा कस्बे में आयेंगे।

वह सड़क मार्ग से तिजारा पहुचेंगे और वहां जैन मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद वापस लौट जायेंगे।

राहुल गांधी करीब 9 बजे दिल्ली से रवाना होंगे और करीब 11.15 बजे तिजारा जैन मंदिर पहुंचेगे। यहां वह 11.30 बजे संगम वर्कशॉप में एक सत्र को संबोधित करेंगे। जैसा कि विदित है कि, 2 दिन पहले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी तिजारा गये थे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव जसवंत गुर्जर ने बताया कि, राहुल गांधी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सूत्रों से पता चला है कि, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बुधवार को संक्षिप्त दौरे पर तिजारा आ रहे हैं। वे सड़क मार्ग से यहाँ पहुंचेंगे।

बैंगलोर निगम के चुनाव बता देंगे कर्नाटक में अगली सरकार किस की बनेगी

बैंगलोर नगर निगम की ऐसी महिमा है कि, पार्षद ज्यादा राजनीतिक महत्व रखते हैं, स्थानीय विधायक व सांसद से

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। अगले वर्ष होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव लड़ने के आकांक्षी नेता जल्दी ही होने वाले बी.बी.एम.पी. बैंगलोर म्यूनिसिपेलिटी) काउंसिल चुनावों के लिये विधिवत रिहर्सल की तैयारी कर रहे हैं, जिनके नतीजों से यह साफ संकेत मिल जायेगा कि कर्नाटक के मतदाता क्या सोच रहे हैं- वे अपना आशीर्वाद सत्तारूढ़ भाजपा को देते हैं तथा सत्ता-परिवर्तन करना चाहते हैं।

बेंगलुरू म्यूनिसिपल इलैक्शन, जिनके अक्टूबर या नवम्बर में होने की उम्मीद है, का प्रतिष्ठा की बनना सुनिश्चित है क्योंकि इनके जरिये बेंगलुरू शहर तथा काउंसिल पर कब्जा हो जायेगा, जिसका बजट करीब 10,000 करोड़ रू. है। बेंगलुरू म्यूनिसिपल काउंसिल के पार्षद प्राय: विधायकों और सांसदों से भी ज्यादा ताकतवर माने जाते हैं।

सत्तारूढ़ भाजपा के लिये, इस शहरी स्थानीय निकाय पर कब्जा करना इसलिये प्रतिष्ठा का विषय है क्योंकि इससे एक ऐसे शहर पर अपनी ताकत प्रदर्शित होगी, जहाँ दोनों पार्टियों के विधायकों की संख्या करीब-करीब बराबर है। तीसरी प्रबल राजनैतिक ताकत, जनता दल (सेकूलर), जो राज्य के चुनावों को त्रिकोणीय बना देता है, का बेंगलुरू में कोई खास प्रभाव नहीं है। बी.बी.एम.पी. काउंसिल चुनावों के लिये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मुख्य स्पर्धा भाजपा व कांग्रेस के बीच रहेगी, क्योंकि कर्नाटक विधानसभा चुनाव को त्रिकोणात्मक बनाने वाली जद (एस) का बैंगलोर में खास प्रभाव नहीं है।
- अब तक हुए सर्वेक्षणों के अनुसार, त्रिशंकु नतीजा रहेगा नगर निगम के चुनाव में।
- आप भी यह ही चाहती है, इसीलिये आप ने सौ पार्षद सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने की घोषणा की है। अगर किसी भी पार्टी, भाजपा या कांग्रेस, को बहुमत नहीं मिलता है तो, आप मान रही है कि, उसका राजनीतिक महत्व बढ़ जाएगा।

'ग्लोबल मार्केट में एल.पी.जी के दाम तीन गुना बढ़े

नई दिल्ली, 9 अगस्त (वार्ता)। भारत में रसोई गैस की खुदरा कीमतों में अप्रैल 2020 की तुलना में 41 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गयी है जबकि इस दौरान वैश्विक बाजार में एल.पी.जी. के मानक अनुबंध का भाव तीन गुना हो गया। सरकार द्वारा राज्यसभा में दी गयी एक जानकारी के अनुसार इस दौरान एल.पी.जी. (लिक्विड पेट्रोलियम गैस) के वैश्विक बाजार के मानक साऊदी अनुबंध का मूल्य अप्रैल 2020 के 236 डॉलर प्रति टन के मुकाबले जुलाई 2022 में 725 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गया। यह अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में एल.पी.जी. की कीमत में 203 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी दौरान भारत में 14.2 किलो के घरेलू एल.पी.जी. सिलेंडर के दाम 41.5 प्रतिशत बढ़े और इसका भाव 744 रुपये से बढ़कर 1,053 रुपये पर पहुंच गया। एक प्रश्न के लिखित जवाब में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि सरकार ने एल.पी.जी. की प्रभावी घरेलू कीमतों को संशोधित किया है। उज्जवला योजना के तहत गरीबों को दिए गए एल.पी.जी. कनेक्शनों में महामारी के दौरान तीन सिलेंडर मुफ्त में भरे गए थे।

'बिहार की घटना क्षेत्रीय दलों को अस्थिर करने की नीति का जवाब'

उपराष्ट्रपति पद की विपक्षी उम्मीदवार रहीं मारग्रेट अल्वा ने कहा कि, भाजपा को इससे अच्छा सबक मिलेगा

नई दिल्ली, 9 अगस्त (वार्ता)। उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में पराजित हुई कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मार्गेट अल्वा ने बिहार के ताजा राजनीतिक घटनाक्रम को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की क्षेत्रीय दलों को अस्थिर कर खुद को मजबूत करने वाली नीति का परिणाम बताया है। अल्वा ने कहा कि भाजपा एक के बाद एक राज्य में यही खेल कर रही है और क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है इसलिए सभी विपक्षी दलों को बिहार की तरह एकजुट होकर उसके इस खेल को रोकने का काम करना चाहिए।

उन्होंने ट्वीट किया, बिहार के नये राजनीतिक समीकरण भाजपा के उस जुनून का परिणाम है जो क्षेत्रीय दलों को अस्थिर कर उनकी जगह हथियाने के लिए होता है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, झारखंड - में भाजपा का वही गेम प्लान चल रहा है। इस खेल को विपक्ष की एकजुटता ही रोक सकती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तारिक अनवर ने कहा है कि भाजपा के खिलाफ और उसकी राजनीति को कमजोर करने का जो काम करेगा कांग्रेस उसका साथ देगी। जैसा कि विदित है कि, नीतीश कुमार ने एक बार फिर बिहार में भाजपा-एनडीए गठबंधन को बाय-बाय बोल दिया है तथा आरजेडी के साथ मिलकर नई सरकार बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

- अल्वा ने कहा कि भाजपा एक के बाद एक राज्य में यही खेल कर रही है और क्षेत्रीय दलों को कमजोर करने का प्रयास कर रही है इसलिए सभी विपक्षी दलों को बिहार की तरह एकजुट होकर उसके इस खेल को रोकने का काम करना चाहिए।
- उन्होंने ट्वीट किया , बिहार के नये राजनीतिक समीकरण भाजपा के उस जुनून का परिणाम है जो क्षेत्रीय दलों को अस्थिर कर उनकी जगह हथियाने के लिए होता है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, झारखंड - में भाजपा का वही गेम प्लान चल रहा है। इस खेल को विपक्ष की एकजुटता ही रोक सकती है।

अजीब संयोग है: भारत में गांधी परिवार के दफ्तर, जो नैशनल हैरल्ड बिल्डिंग में है, की ई. डी. छानबीन कर रही है व पूछताछ कर रही है

इसी प्रकार अमेरिकी शीर्षस्थ इन्टैलिजैंस एजेंसी पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प के फ्लोरिडा स्थित निवास व उनकी निजी तिजोरियों में बंद दस्तावेजों को खंगाल रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अगस्त। एक अभूतपूर्व कदम के तहत अमेरिका की शीर्ष जाँच एजेंसी, फैडरल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन्स (एफ.बी.आई.) ने पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के फ्लोरिडा के मार-ए-लागो स्थित विशिष्ट आवास एवं फैन्सी गोल्ड क्लब में तलाशी अभियान चलाया।

जाँच-पड़ताल यू.एस. डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस के आदेशों के अन्तर्गत की गई और इसे ''काफी गंभीर'' माना जा रहा है। कुछ वरिष्ठ टिप्पणीकारों का मानना है कि संदेह के ठोस आधार के बिना ऐसी तलाशी के आदेश नहीं दिए जा सकते।

तलाशी के बारे में राष्ट्रपति जो बाइडन तक को पता नहीं था और मामले में जज ने स्वयं ही आदेश जारी किए। इस खबर ने वॉशिंगटन के प्रमुख नेताओं के साथ ही रिपब्लिकन पार्टी के दिग्गजों को हिलाकर रख दिया है।

एफ.बी.आई. एजेन्ट्स को यह पूर्व सूचना थी कि पेपर्स कहां होंगे और वे ट्रम्प के निजी आवास के बेसमैंट और मार-ए-लागो परिसर के ऑफिस क्वार्टर्स में गए। स्पष्ट है कि ट्रम्प के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान उनके क्लोज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्राप्त जानकारी के अनुसार, इन तहखानों से दस्तावेजों से भरे संदूकों को एफ.बी.आई. ले गयी है। इस छापे के दौरान अमेरिका के अभिलेखागार (आर्काइव्ज़) के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।
- एफ.बी.आई. का तर्क है कि, वह यह जानकारी करना चाहती है कि, राष्ट्रपति ट्रम्प अपने शासन काल में, अमेरिका की सुरक्षा से संबंधित कागजात तो साथ नहीं ले आये। यह एक गंभीर बात है, क्योंकि ये दस्तावेज ''शत्रु देशों'' के हाथ में पड़ गये तो अमेरिका की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

भाजपा संसद को खोखला करना चाहती है : कांग्रेस

नई दिल्ली, 9 अगस्त (वार्ता)। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद को खोखला करना चाहती है और देश की संसद में हर महत्वपूर्ण मुद्दे से भागना चाहती है इसलिए उसने समय से चार दिन पहले संसद के मानसून सत्र को स्थगित कर दिया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश तथा गौरव गोगोई ने मंगलवार को कहा कि संसद को स्थगित करने से भाजपा की पूरी तरह से पोल खुल गई है कि इस सत्र में वह मुद्दों से भागना चाहती थी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संसद को खोखला करना चाहती है। कांग्रेस जनता के लिए लडती रही है और लडती रहेगी। महंगाई के मुद्दे पर सडक पर निकली कांग्रेस ने काले कपडे पहनकर सरकार की आंखें खोलने की कोशिश की है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सरकार संसद में चर्चा से भागना चाहती है। उनका कहना था कि संसद की कार्यवाही शुरु होने से एक दिन पहले 17 जुलाई को सर्वदलीय बैठक के दौरान सरकार की ओर से इस मानसून सत्र में 32 विधेयक पेश या पारित करने की बात कही गई थी लेकिन हकीकत में जहां लोकसभा में इस सत्र में सिर्फ सात विधेयक पास हुए हैं वहीं राज्यसभा में सिर्फ पांच विधेयक ही पारित किये जा सके हैं।

उन्होंने कहा भाजपा हम पर इल्ज़ाम लगाती है कि कांग्रेस के कारण चर्चा नहीं होती, लेकिन वे स्वयं चर्चा से भाग गए। कल राज्यसभा में एक सेंट्रल यूनिवर्सिटी बिल पेश होना था, यानी शिक्षा मंत्री को आना चाहिए था लेकिन शिक्षा मंत्री भी प्रधानमंत्री की तरह गायब रहते हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि विपक्ष 10 अगस्त और 12 अगस्त को चर्चा के लिए तैयार था लेकिन सरकार की तरफ से कोई उत्सुकता नहीं देखी गई। इस सत्र में देश से जुड़े आवश्यक मुद्दों को लोकसभा एवं राज्यसभा में उठाने की बहुत कोशिश की गई लेकिन कांग्रेस उन सभी पर चर्चा नहीं करवा सकी।

- कांग्रेस नेता जयराम रमेश तथा गौरव गोगोई ने मंगलवार को कहा कि संसद को स्थगित करने से भाजपा की पूरी तरह से पोल खुल गई है कि इस सत्र में वह मुद्दों से भागना चाहती थी।
- कांग्रेस जनता के लिए लड़ती रही है और लड़ती रहेगी। महंगाई के मुद्दे पर सड़क पर निकली कांग्रेस ने काले कपड़े पहनकर सरकार की आंखें खोलने की कोशिश की है।

यूक्रेन को एक अरब अमेरिकी डॉलर की सहायता

वाशिंगटन, 9 अगस्त (वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने घोषणा की कि संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन को एक अरब अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त सुरक्षा सहायता प्रदान करेगा। रक्षा विभाग के एक बयान के अनुसार, अगस्त 2021 के बाद से राष्ट्रपति के इस पैकेज की 18 वीं किश्त के रूप में हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम के लिए अतिरिक्त 155 मिमी आर्टिलरी गोला-बारूद के 75 हजार राउंड, बीस 120 मिमी मोर्टार सिस्टम शामिल हैं।